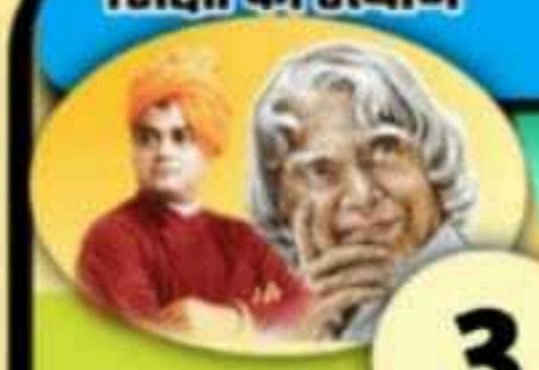

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

3 विषय- हिन्दी (मंजरी) कक्षा- 08

पाठ- 02, काकी

उस दिन बड़े सवेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कुहराम मचा हुआ है। उसकी माँ नीचे से ऊपर तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कम्बल पर भूमि-शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे घेर कर बड़े करुण स्वर में विलाप कर रहे हैं।

लोग जब उसकी माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे, तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया। लोगों के हाथ से छूटकर वह माँ के ऊपर जा गिरा। बोला, काकी सो रही है। इसे इस तरह उठा और बोला," कर कहाँ ले जा रहे हो? मैं इसे न ले जाने दूंगा। लोगों ने बड़ी कठिनाई से उसे हटाया। काकी के अग्नि संस्कार में भी यह न जा सका। एक दासी राम राम करके उसे घर पर ही सँभाले रही।

यद्यपि बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गयी, परन्तु यह बात उससे छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं नहीं ऊपर राम के यहाँ गयी है।

काकी के लिए कई दिन लगातार रोते-रोते उसका रुदन तो धीरे-धीरे शान्त हो गया, परन्तु शोक शान्त न हो सका। वह प्राय: अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता। एक दिन उसने ऊपर एक पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा। पिता के पास जाकर बोला, 'काका, मुझे एक पतंग मँगा दो, अभी मंगा दो।' पत्नी की मृत्यु के बाद से विश्वेश्वर बहुत अनमने से रहते थे। 'अच्छा मँगा दूंगा' कहकर वे उदास भाव से और कहीं चले गये।

लेखक का नाम- सियाराम शरण गुप्त

अर्थ-

काकी नामक कहानी में लेखक ने एक अबोध बालक के मन में उसके माँ के प्रति अगाध प्रेम को दर्शाने का प्रयास किया है। इस पाठ में श्यामू की माँ काकी जिसका दे देहावसान हो चुका है और काकी और सभी लोग श्यामू को यह बताने का प्रयास करते हैं कि उसकी माँ मामा के यहाँ चली गई है और उसको अन्तिम संस्कार में भी नहीं ले जाते हैं किंतु वह धीरे से जान जाता है कि उसकी माँ की मृत्यु हो चुकी है वह कई दिनों तक बहुत अधिक रोता रहा किंतु धीरे-धीरे उसका रुदन रोना कम हो गया किंतु उसके हृदय में मां के प्रति असीम प्यार की कमी खटकती रहे और उसका शोक धीरे-धीरे बढ़ता ही गया एक दिन वह खुले आसमान के नीचे बैठा आसमान की ओर अपनी माँ को याद करते हुए ताक रहा था उसी समय अचानक उसके दिमाग में एक उड़ती हुई पतंग को देखकर उपाय सूझा और उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई उसने सोचा कि मैं भी एक पतंग को ऊपर आसमान में भेजूँगा और उसको पकड़ कर मेरी माँ नीचे उतर आएगी। इस बात को वह अपने दोस्त को बताता है और इस प्रकार वह अपनी माँ को अपने पास बुलाना चाहता है।

अभ्यास कार्य-

1- पाठ का नाम और लेखक का नाम क्या है?
2- श्यामू क्यों रो रहा था?
3- श्यामू आसमान की ओर देखने के बाद क्या सोचकर खुश हुआ?

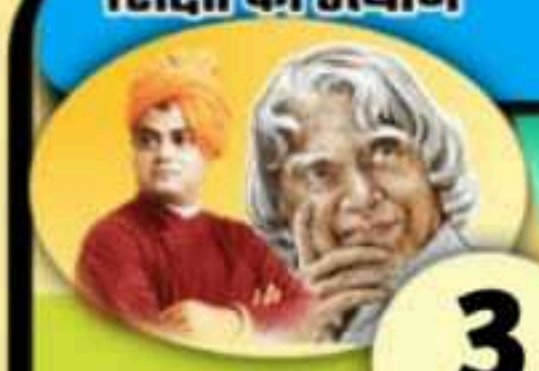

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

3

विषय- हिन्दी (मंजरी) **कक्षा-** 08

पाठ- 02 काकी

शब्दार्थ-

शब्द	अर्थ
कुहराम	अत्यधिक रोना
भूमि शयन	जमीन पर सोना
करुण	दुखी होना
विलाप करना	असहनीय दुःख से रोना
उपद्रव	बहुत परेशान करना
शून्य मन से	शान्त भाव से
ताका	एकटक देखना

उस दिन----------जाने दूँगा।

सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्य खण्ड पाठ्य हमारी पुस्तक हिन्दी(मंजरी) के "काकी" नामक पाठ से लिया गया है। इसके लेखक सियाराम शरण गुप्त जी हैं।

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक ने माँ की मृत्यु उपरान्त यह अबोध बालक श्यामू के हृदय की पीड़ा को व्यक्त किया है।

अर्थ- बड़े सवेरे ही श्यामू की जैसे ही आँख खुली उसने देखा कि उसके घर में चारों ओर सभी लोग अत्यधिक रो रहे हैं, चीत्कार कर रहे हैं और उसकी माँ पता नहीं क्यों एक कपड़ा ओढ़े जमीन पर सो रही है। घर के सभी लोग बहुत दुखी होकर के रो रहे हैं। जब सभी लोग उसकी माँ को श्मशान घाट लिए जा रहे हैं तब श्यामू ने अत्यधिक परेशान किया क्योंकि वह बहुत ही दुखी था। वह अपनी माँ से अत्यधिक प्यार करता था। वह बार-बार अपनी माँ के पास जाकर कहता कि मेरी माँ सो रही है। इसे कहीं मत ले जाओ, मैं इसे नहीं ले जाने दूँगा।

अभ्यास कार्य-

1- उपर्युक्त पंक्तियों में "भूमि-शयन" जैसे योजक चिन्ह लगे शब्दों को खोजकर लिखें।
2- कुहराम मचाना, हृदय का खिलना आदि मुहावरों का अर्थ बताकर वाक्य प्रयोग करें।

अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

1- कविता में कवि ने भारत के कल्याण हेतु वरदान माँगा है।
2- ज्ञान की ज्योति जलाने के लिए माँ सरस्वती से प्रार्थना की गयी है।
3- समास कुल छः प्रकार के होते हैं।

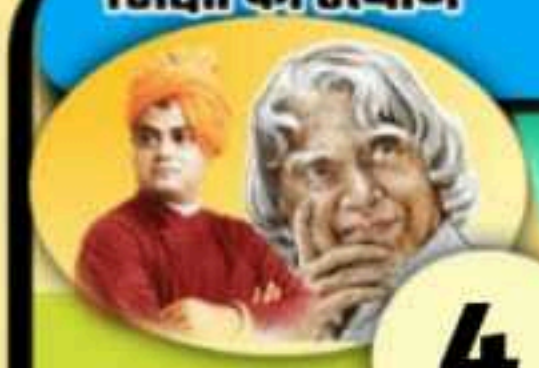

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

4 विषय- हिन्दी (मंजरी) कक्षा- 08

पाठ- 02 काकी

श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कंठित था। वह अपनी इच्छा को किसी तरह न रोक सका। एक जगह खूँटी पर विशेश्वर का कोट टँगा था। इधर- उधर देख कर उसके पास स्टूल सरका कर रखा और ऊपर चढ़कर कोट की जेबें टटोली। एक चवन्नी पाकर वह तुरंत वहाँ से भाग गया। सुखिया दासी का लड़का भोला, श्यामू का साथी था। श्यामू ने उसे चवन्नी देकर कहा, 'अपनी जीजी से कहकर गुपचुप एक पतंग और डोर मँगा दो। देखो अकेले में लाना कोई जान ना पाए। पतंग आयी। एक अँधेरे घर में उसमें डोर बाँधी जाने लगी। श्यामू ने धीरे से कहा भोला किसी से न कहो तो एक बात कहूँ। भोला ने सिर हिलाकर कहा, 'नहीं किसी से ना कहूँगा। श्यामू ने रहस्य खोला, 'मैं यह पतंग ऊपर राम कि यहाँ भेजूँगा। इसको पकड़कर काकी नीचे उतरेगी। मैं लिखना नहीं जानता नहीं तो इस पर उसका नाम लिख देता।'

शब्दार्थ-

शब्द	अर्थ
उत्कंठित	उत्सुक
गुपचुप	चुपचाप
रहस्य	मन में छिपी हुई कोई बात

श्यामू----------देता।

सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्य खण्ड पाठ्य हमारी पुस्तक हिन्दी(मंजरी) के "काकी" नामक पाठ से लिया गया है। इसके लेखक सियाराम शरण गुप्त जी हैं।

अर्थ- श्यामू एक उड़ती हुई पतंग को देखकर बहुत ही उत्सुक हो गया। वह अपनी इच्छा को किसी भी तरह से रोक नहीं पाया और उसके दिमाग में एक उपाय आ गया। उसने झट से बगल में पड़े हुए एक स्टूल को सरका लिया और पिताजी के कोट की जेब से एक चवन्नी निकाल ली और दौड़ कर अपने साथी भोला के पास पहुँचा। उसने कहा अपनी दीदी से मुझे एक पतंग मँगा दो और कोई जान भी ना पाए। फिर पतंग में डोरी बाँधने लगे। इसी समय श्यामू ने अपने मन की बात अपने साथी भोला को बताई। उसने कहा कि मैं पढ़ना-लिखना नहीं जानता, नहीं तो काकी का नाम भी इस पतंग में लिख देता।

अभ्यास कार्य-

1-श्यामू ने जेब से क्या निकाला?
2- पतंग और डोरी कौन लेकर आया?
3- श्यामू ने रहस्य की बात किससे बताई?

अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

1- रोते-रोते, बैठा- बैठा, धीरे- धीरे, अग्नि-संस्कार, राम राम।
2- अत्यधिक चीखना चिल्लाना, अत्यधिक प्रसन्न होना।

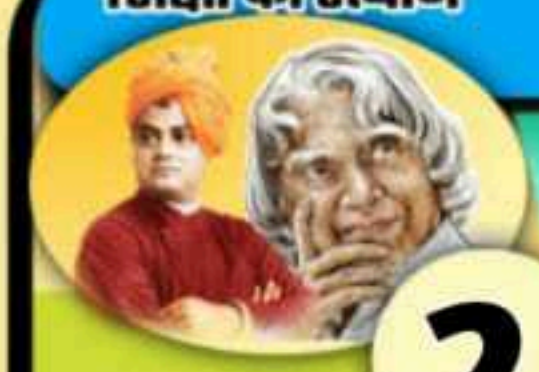

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

2 विषय- संस्कृत कक्षा- 8

वैदिक वन्दना

बच्चों! आज हम वैदिक वन्दना के श्लोकों को समझेंगे।

वेद का मुख्य अर्थ ज्ञान से है। वेदों की संख्या चार है। ऋगवेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। हमारी पाठ्य पुस्तक 'संस्कृत पीयूषम' में वैदिक वन्दना के जो मन्त्र संगृहीत हैं; वह 'यजुर्वेद' से लिये गये हैं। इसलिए इसे 'ऋक संहिता ' भी कहते हैं इसमें ऋचाओं के संग्रह है। गद्यात्मक मन्त्रों के अभिधान को 'यजुष' भी कहते हैं। इन यजुषों के आधार पर ही इस वेद का नाम 'यजुर्वेद' पडा़।

तेजोअसि तेजो मयि धेहि। वीर्यमसि वीर्य मयि धेहि।।
बलमसि बलं मयि धेहि। ओजोअसि ओजो मयि धेहि

शब्दार्थ- तेज- पराक्रम। असि- हो। मयि -मुझमें। धेहि- धारण कराइये। वीर्य- शौर्य। बल- शक्ति। ओज-यशस्वी।

अर्थ- हे प्रभु! आप तेजवान अर्थात् पराक्रमी हो।अपना तेज मुझमें धारण कराइये। हे प्रभु! आप शौर्यवान हैं।अपना शौर्य मुझमें धारण कराइये।हे प्रभु! आप बलवान हैं।अपना बल मुझमें धारण कराइये। हे प्रभु! आप यशस्वी हैं।अपना ओज मुझमें धारण कराइये। अतः हे प्रभु! आप तेजवान, वीर्यवान, बलवान व ओजवान हैं।आप अपना तेज,वीर्य, बल और ओज मुझमें धारण कराइये।

पश्येम शरदः शतम्।जीवेम शरदः शतम्। श्रुणुयाम शरदः शतम्। प्रब्रमाम शरदः शतम्। अदीनाः स्याम शरदः शतम्।भूयश्च शरदः शतात्।

शब्दार्थः- पश्येम- देखें। जीवेम्- जीवित रहें। श्रुणुयाम-सुने। प्रब्रमाम- बोलें। शरदः- वर्ष। शतम्- सौ। अदीना- दीनता रहित। स्याम- होवे। भूयश्च- और अधिक।

हे भगवन्! हम सौ वर्षों तक देखें।हम सौ वर्षों तक जीवित रहें। हम सौ वर्षों तक सुनें। हम सौ वर्षों तक बोलें। हम सौ वर्षों तक दीन न रहें अर्थात् हमें ये सारी स्थितियाँ सैकडों शरदों से भी अधिक प्राप्त हों।

गृहकार्य
👉 इन श्लोकों को कंठस्थ करें।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

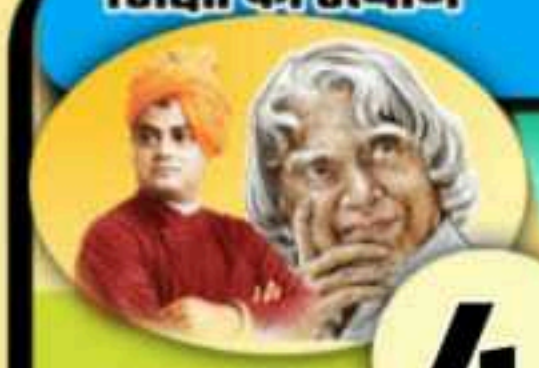

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

4

विषय- संस्कृत

कक्षा- 8

बच्चों! प्राचीन काल से ही भारतीय परम्परा में शिक्षा प्राकृतिक वातावरण में दी जाती रही है। हमारी गुरुकुल व्यवस्था इसका प्रमाण है। प्राकृतिक वातावरण बच्चों के मन को शान्ति और उत्साह से भर देता है।

आइये! आज के 'आश्रमः' पाठः में हम गुरुकुल व्यवस्था को समझते हैं।

आश्रमः

प्रथमः पाठः

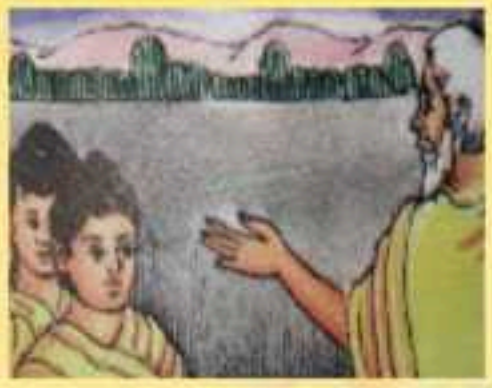

शब्दार्थः

अस्माकं- हमारे
अश्वत्थः - पीपल
नीम्बः- नीम
आमलकः - आँवला
पनसः- कटहल
पेरुः - अमरूद
बलीवर्द- बैल

अस्माकं प्रदेशस्य सीतापुरजनपदे नैमिषारण्यं प्राचीनं तीर्थस्थलम् अस्ति।तत्र एकस्मिन् आश्रमे ऋषयः मुनयः गुरवः कवयः छात्राश्च निवसन्ति स्म। आश्रमस्य विशाले परिसरे अश्वत्थ-वट-निम्बाशोक-वृक्षाणां गहना छाया भवति स्म। तत्र फलशालिनः आम्रामलक-पनस-पेरुवृक्षाः अपि विपुलाः आसन्। एभिः वृक्षैः तत्र पर्यावरणं शुद्धमासीत्, येन शीतलाः वायवः मन्दं-मन्दं वहन्ति स्म, काले-काले च मेघः वर्षति स्म। इदानीमपि तस्मिन् आश्रमे धेनवः बलीवर्दाः अश्वाः अन्ये च पशवः स्वच्छन्दं चरन्ति। वृक्षेषु कपीनां कूर्दनं, चटकानां कूजनं, मयूराणां नर्तनं च दर्शकेभ्यः आनन्दं ददाति।

हिन्दी अनुवाद- हमारे प्रदेश के सीतापुर जनपद में नैमिषारण्य नामक तीर्थ स्थान है। वहाँ एक आश्रम में ऋषि, मुनि, गुरु, कवि और छात्र निवास करते थे। आश्रम के विशाल परिसर में पीपल,बरगद, नीम, अशोक के वृक्षों की गहन छाया होती थी। वहाँ फल देने वाले आँवला, कटहल, अमरूद आदि बहुत वृक्ष थे।इन वृक्षों के द्वारा ही वहाँ का पर्यावरण शुद्ध था। जिसके द्वारा शीतल वायु मंद-मंद बहती थी। समय-समय पर बादल बरसते थे। आज भी इस आश्रम में गाय, बैल, घोड़े व अन्य पशु स्वच्छन्दं रूप से विचरण करते हैं। वृक्षों पर बन्दरों का कूदना, चिड़ियों का चहकना और मोरों का नाचना दर्शको को आनन्द देता है।

गृहकार्यः- शुद्ध उच्चारण कर पढ़ें व उत्तर पुस्तिका पर लिखें।

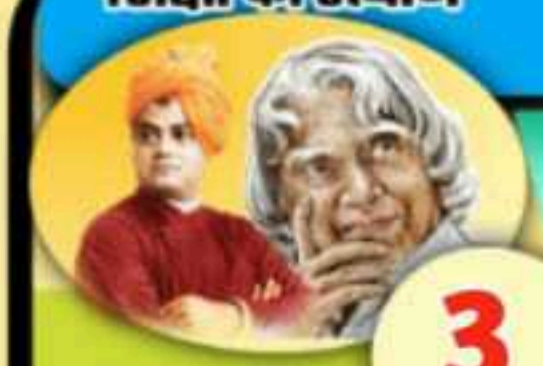

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

3 विषय- गृहशिल्प कक्षा-8

पाठ-1 स्वास्थ्य

प्रतिरक्षण (टीकाकरण) में सावधानियाँ

1. ध्यान देने योग्य बात यह है कि नियत समय पर टीकाकरण नहीं हो पाया तो डॉक्टर की सलाह से टीके लगवाएँ।
2. दो टीकों के बीच का अंतर 1 माह से कम नहीं होना चाहिए।
3. साधारण सर्दी, जुकाम, खाँसी, बुखार आदि होने पर टीका डॉक्टर की सलाह से लगवाना चाहिए।

प्रतिरक्षण के पूर्व की सावधानियाँ

1. टीके का पूर्ण लाभ तभी मिलता है, जब उसे समय पर लगवाया जाए।
2. टीके की सामान्य मात्रा दिलाने के बाद निर्धारित समय पर आवश्यकतानुसार उसकी बूस्टर खुराक दिलाना रोक से पूर्ण बचाव के लिए आवश्यक है।
3. टीका लगवाने से पूर्व यह देख लेना आवश्यक है कि सुई नि:संक्रमित हो तथा टीके का रखरखाव उचित हो।

इन्हें भी जानें

1. विश्व पोलियो दिवस 24 अक्टूबर को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना है।
2. पोलियो वायरस अस्वच्छ शौच सुविधाओं के कारण ज्यादा तेजी से फैलता है।
3. मां के दूध में (कोलोस्ट्रम) में प्रतिरोधी क्षमता होती है। शिशु के लिए यह दूध बहुत उपयोगी होता है। अतः जन्म के तुरंत बाद बच्चे को स्तनपान कराना चाहिए।

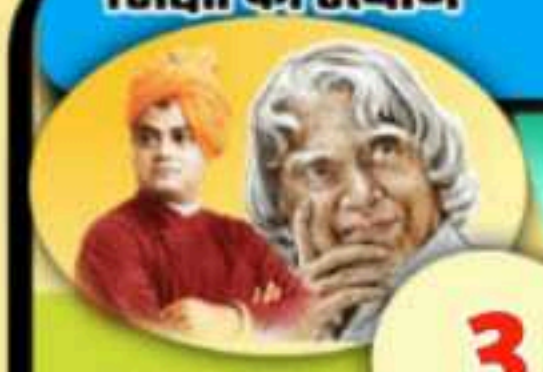

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

3 विषय- गृहशिल्प कक्षा- 8

पाठ-1 स्वास्थ्य

प्रतिरक्षण के पश्चात सावधानियाँ

1. टीके लगने के बाद यदि बच्चे को एक-दो दिन बुखार आ जाए या इसी तरह की अन्य कोई तकलीफ हो तो घबराना नहीं चाहिए तकलीफ प्रकट करती हैं किसी टीका उचित समय पर लगा है और कार्य कर रहा है अर्थात शरीर में प्रतिरक्षण विकसित हो रहा है।
2. बी०सी०जी ० के टीके लगवाने पर यदि 3 माह तक उसी स्थान पर फफोले न पड़े तो चिकित्सक को दिखाएँ।
3. खसरे का टीका बच्चे को 9 माह से पूर्व न लगाया जाए।

प्रतिरक्षण टीकों की सूची

कब(अवधि)	क्या (प्रतिरोधक टीका)	क्यों (बचाव)
गर्भावस्था के 16-36सप्ताह में	कम से कम 1 माह के अंतर पर टी ०टी ०के दो टीके	माँऔर नवजात शिशु का टिटनेस से बचाव
जन्म	बी०सी०जी०टीका, मौखिक पोलियो की पोलियो खुराक	तपेदिक एवं पोलियो से बचाव
6 सप्ताह	डी०पी०टी + हेपेटाइटिस बी+ एच०आई०बी टीका + मौखिक पोलियो दूसरी खुराक	डिप्थीरिया, काली खाँसी, टिटनेस से बचाव, पोलियो, एच०आई०बी० संक्रमण एवं पोलियो से बचाव
10 सप्ताह	डी०पी०टी ० + हेपेटाइटिस बी+ एच ०आई०बी ०टीका + मौखिक पोलियो की तीसरी खुराक	डिप्थीरिया, काली खाँसी,टिटनेस से बचाव, पोलिया, एच०आई०बी० संक्रमण एवं पोलियो से बचाव
14 सप्ताह	डी०पी०टी०+ हेपेटाइटिस बी+ एच०आई०बी० टीका +मौखिक पोलियो की चौथी खुराक	डिप्थीरिया, काली खाँसी , टिटनेस से बचाव पोलिया एच०आई०बी० संक्रमण एवं पोलियो से बचाव
9 माह	खसरा का टीका	खसरा से बचाव
1 वर्ष	चिकन पॉक्स हेपेटाइटिस - ए	चिकन पॉक्स एवं पीलिया से बचाव
2 वर्ष	टायफाइड का टीका	मियादी बुखार से

अभ्यास कार्य

अभ्यास कार्य का हल
13/07/2021

प्रश्न 1 - पोलियो दिवस कब मनाते हैं?

प्रश्न 2 - खसरे का टीका किस उम्र में लगवाते हैं?

प्रश्न 3 - दो वर्ष की उम्र में कौन सा टीका लगवाते हैं?

प्रश्न 4 - टीकाकरण के पूर्व की सावधानियाँ क्या हैं?

उत्तर 1 - वृद्धि - निगरानी का तात्पर्य यह है कि बच्चे के जन्म के उपरान्त उसकी निरंतर हो रही वृद्धि तथा उचित देखभाल।
उत्तर 2 - किसी रोग के रोगाणु को सुई द्वारा अथवा ड्रॉप के रूप में शरीर में पहुँचाना "प्रतिरक्षण" कहलाता है।
उत्तर 3-विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से बचाने के लिए बच्चों की उचित देखभाल आवश्यक है।
उत्तर 4 - उचित विकास एवं भविष्य में होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए वृद्धि - निगरानी आवश्यक है।
उत्तर 5- तपेदिक, हैजा, एड्स।
उत्तर 6-पाँच वर्ष की उम्र तक पोलियो ड्रॉप पिलाते है।

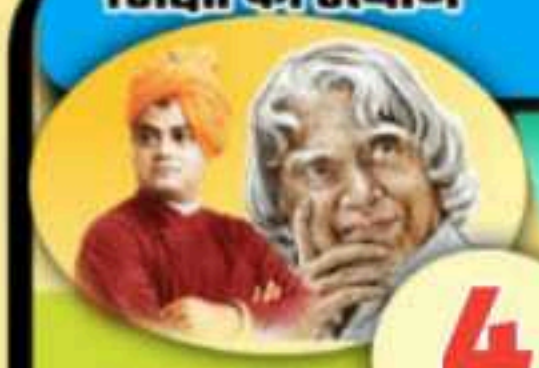

पाठ-1 स्वास्थ्य

कुपोषण से होने वाले रोग

कुपोषण अनेक रोगों को जन्म देता है। जैसे - क्वाशियोरकर, सूखा रोग, रक्ताल्पता आदि

इन्हें भी जानें

1.कैल्शियम तथा फास्फोरस का प्रभाव विटामिन 'डी' के उपस्थित में ही होता है। अत: जिन व्यक्तियों को कैल्शियम और फास्फोरस की विशेष रूप से आवश्यकता होती है, उन्हें विटामिन 'डी' युक्त भोज्य पदार्थों का भी अधिक मात्रा में सेवन करना चाहिए। सूर्य से विटामिन 'डी' प्राप्त होता है।

2. कुपोषण से बचाव हेतु सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। जिसमें गरीब परिवार को चिन्हित कर बी०पी०एल ०(गरीबी रेखा से नीचे) कार्ड बनाए जाते हैं। इन कार्डों के माध्यम से वे लोग सस्ते दरों पर अनाज प्राप्त कर सकते हैं।

अभ्यास-कार्य

प्रश्न 1 - सूर्य से हमें कौन सा विटामिन प्राप्त होता है?

प्रश्न 2 - पोलियो का वायरस कैसे फैलता है?

प्रश्न 3 - कुपोषण किसे कहते हैं?

प्रश्न 4 - कुपोषण के चार प्रमुख कारण क्या हैं?

प्रश्न 5-कुपोषण से बचने के क्या उपाय हैं?

अभ्यास-कार्य का हल

20/07/2021

उत्तर1- विश्व पोलियो दिवस 24 अक्टूबर को मनाते हैं।

उत्तर2- खसरे का टीका बच्चे को 9 माह की उम्र में लगवाते हैं।

उत्तर3- 2 वर्ष की उम्र में बच्चों को टायफाइड का टीका लगाया जाता है।

उत्तर4- 1.टीके का पूर्ण लाभ तभी मिलता है जब उसे समय पर लगवाया जाए।
2.टीके की सामान्य मात्रा दिलाने के बाद निर्धारित समय पर आवश्यकता अनुसार उसकी बूस्टर खुराक दिलाना रोग से पूर्ण बचाव के लिए आवश्यक है।
3.टीका लगवाने से पूर्व यह देख लेना आवश्यक है कि सुई नि: संक्रमित हो तथा टीके का रखरखाव उचित हो।

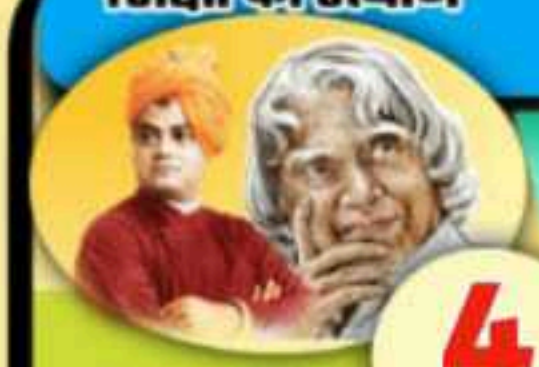

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

4 विषय- गृहशिल्प कक्षा- 8

पाठ-1 स्वास्थ्य

कुपोषण (Malnutrition)

शरीर में पोषक तत्वों की कमी या अधिकता ही कुपोषण होता है।

कुपोषण के कारण - 1. अपर्याप्त भोजन 2.अनुपयुक्त भोजन 3. जागरूकता की कमी 4.अस्वच्छ वातावरण 5. गरीबी 6.भोज्य पदार्थों में मिलावट 7.अतिपोषण 8. जनसंख्या वृद्धि

कुपोषण से बचाव

कुपोषण से बचने के लिए प्रोटीन-युक्त भोजन खिलाए कुपोषण के शिकार बच्चों को प्रोटीन अधिक से अधिक मात्रा में मिलना चाहिए। इसलिए उन्हें सोयाबीन, दूध, अंडे, मांस भरपूर मात्रा में दिया जाना चाहिए। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन होता है। बच्चों को प्रतिदिन 300 से 500 मिली मीटर दूध पीने के लिए देना चाहिए। रोजाना एक कटोरी बींस ऐसे बच्चों को खिलाना चाहिए।

सरकार को कुपोषण समाप्त करने के लिए ठोस नीति बनानी चाहिए- कुपोषण धन की कमी के कारण उत्पन्न खाद्य सुरक्षा है। माता- पिता के पास धन नहीं होगा तो वह बच्चों की परवरिश सही तरीके से नहीं कर पाएंगे। इसीलिए भारत की कुपोषण रैंकिंग को सुधारने के लिए गरीबी का स्तर भी सुधारना होगा। इसके लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए।

स्तनपान जरूरी है-वे महिलाएं फिगर खराब होने की वजह से स्तनपान नहीं करातीं जो बच्चों के लिए बहुत ही हानिकारक है।

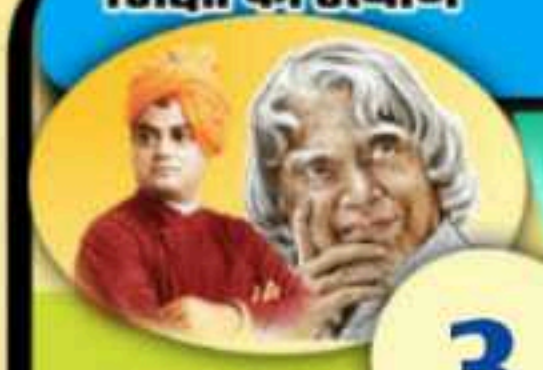

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

3 विषय-उर्दू --पाठ- 1हमारी ज़बान (नज़्म) कक्षा- 8

نظم "اردو زبان"

اردو ہی دوستوں وطنیت کی جان ہے
یہ یاد رکھو اس سے اخوت کی شان ہے
اس کا ہوا کسی سے نہ رشک اور حسد
بغض اور کینے سے بہت دور اس کی حد
اپنے ہیں اس کو سب نہیں کوئی پر آئے ہیں
وسعت ہے دل کی وہ کہ سب اس میں سما ئے ہیں
ہے اس کو سب سے میل کسی سے نہیں ہے بیر
افسوس کیوں نہ ہو' اسے کوئی جو سمجھے غیر
تاریخ ہند کی ہے وہ سرتاج آج تک
ہے اتحاد و انس کی معراج آج تک

الفاظ معنی

الفاظ	معنی
اخوت	بھائی چارا
رشک و	جلن
حسد	پھیلاءو
وسعت	میل ملاپ کی
اتحاد و	طاقت
انس	بلند مرتبہ
معراج	

مقاصد عمومی

1-بچے اردو زبان کو سمجھتے ہیں.
2-بچے نظم کا معنی جانتے ہیں اور اسے مختلف اتار چڑھاؤ کے ساتھ پڑھ لیتے ہیں.

تمہیدی سوال

1-کون سی زبان تاریخ ہند کی سرتاج ہے ؟
2-کون سی زبان وطنیت کی جان ہے ؟

تمہیدی جواب

1-اردو زبان.
2-اردو نے کبھی کسی بھی زبان کو غیر نہیں سمجھا.

اشعار کی تشریح

بچوں شاعر کہتا ہے کے اردو زبان ہی وطن پرستی کی جان ہیں اور تم یہ یاد رکھو کہ اردو زبان سے بھائی چارا بنا ہوا ہے یعنی یہ زبان بھائی چارے کی شان ہے. بچوں اردو زبان کو کبھی بھی کسی دوسری زبان سے جلن پیدا نہیں ہوئی کیونکہ بچوں یہ زبان کنا سے رور ہے اردو زبان کے سب اپنے ہیں اس کےدل کی گنجائش یا پھیلاءو اتنا ہے کہ سب اس کے اندر آسانی سے سما جاتے ہیں.
شاعر کہتا ہے کہ اردو زبان کسی سے بیر نہیں رکھتی.سب اس کے اپنے ہیں اور اس زبان کو اگر کوئی غیر سمجھتا ہے تو اردو زبان کو بہت افسوس ہوتا ہے
آگے شاعر کہتا ہے کہ ہندوستان کی تاریخ میں اردو زبان کا مرتبہ اتنا بلند ترین ہے کہ آج بھی اردو کو سرتاج کہا جاتا ہے اردو زبان میل عبور و ملاپ کی طاقت ہے.

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

4

विषय-उर्दू--पाठ- 2--ग़ालिब के खतूत **कक्षा- 8**

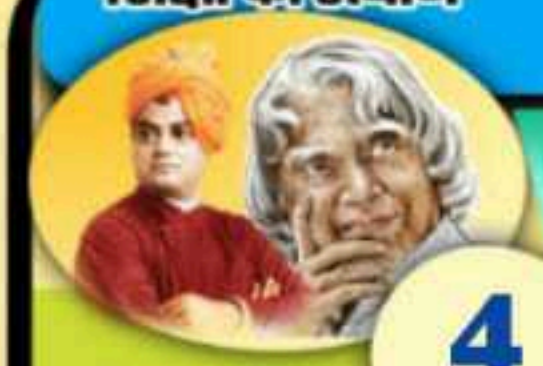

سبق --2غالب کے خطوط

مصنف کا تعارف

غالب کی پیدائش آگرہ میں 1796ءمیں ہوئی اور ان کی وفات 1869ء میں ہوئی. اردو ادب کی ممتاز شخصیت غالب صرف اردو کے بڑے شاعر ہی نہیں بلکہ ان کا شمار فارسی زبان کے بھی بڑے شاعروں میں ہوتا تھا علاوہ ازیں
غالب اردو ادب کے ایک ایسے شاعر اور نثر نگار بھی تھے جنھوں نے اردو نثر کو زندہ جاوید بنایا .غالب نے خطوط نگاری کی پرانی روایت کو مسترد کرتے ہوئے ایک ایسے طریقہء کار کو ایجاد کیا, جس کی مثال آج تک نہیں ملتی ان کے خطوط اردو ادب میں سنگ میل کا درجہ رکھتے ہیں .اس لئے اردو ادب میں ان خطوط نے اہم مقام حاصل کیا ہے .

غالب کے خطوط میں ان کے عہد کی سیاسی ,سماجی اور تہذیبی زندگی کی جھلکیاں ملتی ہیں .ان خطوط کے زریعے غالب نے اپنے شاگردوں کی بھی اصلاح کی. وہ خود ان کے متعلق کچھ یوں لکھتے ہیں کہ "مرزا صاحب میں نے وہ طرز تحریر ایجاد کیا ہے کہ مراسلہ کو مکالمہ بنایا ".
غالب نے خطوط نگاری میں جدید اسالیب کی بنیاد رکھی اور قدیم طرزنگارش سے ہٹ کر نئراہوں پر چلنا سکھایا .
ان کے خطوط سے ایسا معلوم ہوتا ہے ا یہ خط نہیں بلکہ آمنے سامنے بیٹھے دو آدمی آپس میں باتیں کر رہے ہیں. یا دو بے تکلف دوسأت سامنے بیٹھے باتیں کر رہے ہیں.ان کے خطوط کی ایک خاص بات یہ ہے کہ وہ اپنے خط میں کسی قسم کا القاب استعمال نہیں کرتے اور نہ ہی ان کے ساتھ یہاں بناوٹی ااVاآداب دیکھنے کو ملتا ہے .
وہ بے تکلفی سے خط لکھنا شروع کر دیتے ہیں . میاں بھائی, صاحب اور بندہ پرور جیسے الفاظ سے خط لکھنا شروع کر دیتے ہیں .
یہاں اس سبق میں مرزا غالب کے دو خط منشی ہرگوپال تفتہ کے نام اور ایک خط ان کے شاگرد میر مہدی مجروح کے نام سے دیا گیا ہے. آگے ہم ان خطوط کا خلاصہ پڑھیں گے کہ غالب اپنے ان خطوط میں کیا کہنا چاہتے ہیں.

الفاظ	معنی
مسترد	رد کرنا
ایجاد	نئی بات پیدا کرنا
اسالیب	انداز
مراسلہ	خط
مکالمہ	گفتگو
بے تکلف	بناوٹ کے بغیر
بے باکی	شوخی
اصلاح	درست کرنا

تمہیدی جواب ایپج 3کے جواب

1-اردو زبان وطنیت کی جان ہے.
2-اردو زبان تاریخ ہند کی سرتاج ہے.

تمہیدی سوال

1-غالب کب اور کہاں پیدا ہوئے ؟
2-غالب کے خطوط کا طرز اسلوب کیا ہے ؟

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

3 विषय- गणित कक्षा-8

असमान हर वाली परिमेय संख्याओं का योगफल ज्ञात करना

बच्चों! पिछले अंक में हमने समान हर वाली परिमेय संख्याओं का योगफल ज्ञात करना सीखा था। आज हम ऐसी परिमेय संख्याओं का योगफल ज्ञात करेंगे, जिनके हर समान नहीं है।

मान लीजिए, हमें परिमेय संख्याओं 1/4 तथा 5/6 को जोड़ना है। यहाँ आप देख रहे हैं कि दोनों ही संख्याओं के हर अलग-अलग हैं। सबसे पहले हम दोनों संख्याओं के हर बराबर करेंगे।
इसके लिए 4 और 6 का ल० स०= 12 निकाला।हम जानते हैं कि संख्या 12, 4 से तीन बार तथा 6 से दो बार विभाजित होगी। अत: हर समान करने के लिए हम 1/4 के अंश व हर में 3 से तथा (-5/6) के अंश व हर में 2 से गुणा करेंगे।

$1/4 = 1/4 \times 3/3 = 3/12$

$-5/6 = (-5/6) \times 2/2 = -10/12$

अब आप देख रहे हैं कि इस प्रक्रिया से प्राप्त दोनों परिमेय संख्याओं के हर बराबर हैं। अतः अब हम अंशों के योगफल में समान हर का भाग करके आसानी से अभीष्ट योगफल ज्ञात कर लेंगे।

$3/12 + (-10/12) = \{3+(-10)\}/12 = -7/12$

यहाँ प्राप्त परिमेय संख्या (-7/12) ही हमारा उत्तर है।

अब यदि हम इस योगफल को संख्या रेखा की सहायता से ज्ञात करना चाहते हैं तो हम इस प्रकार कर सकते हैं। हम जानते हैं कि-

3/12+(-10/12)= संख्या रेखा पर 0 से धन दिशा में तीन कदम का विस्थापन और फिर वहीं से ऋण दिशा में 10 कदम का विस्थापन।

=संख्या रेखा पर 0 से ऋण दिशा में 7 कदम विस्थापन= (-7/12)

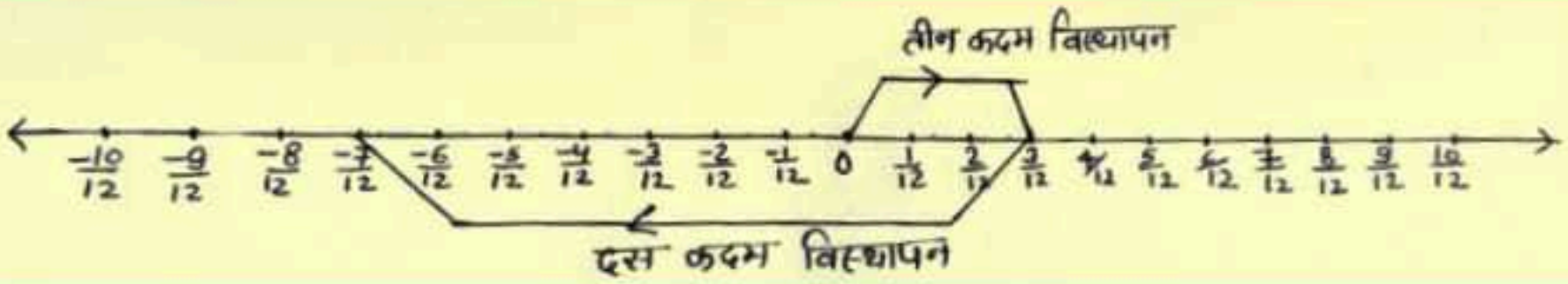

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

3 Sub.- Maths Class- VIII

Rational Numbers

Comparison of Rational Numbers

👉In previous sheet we learnt about comparing rational numbers by getting the product of same denominators.

👉*As a denominator or rational numbers being compared get larger, it is difficult to find their products. We therefore take their LCM to get a common denominator.*
Illustration 1- Compare -23/18 and -17/12.

👉👉 Let's use the LCM of 12 and 18 l.e. 36, to convert the rational numbers to like rational numbers:
Since 36 = 18 x 2, -23/18 can be converted as
-23/18 = (-23) x 2 /18 x 2
Similarly, we can convert the other rational number.
As 36 = 12 x 3, -17/12
It can be converted to
-17/12 = (-17) x 3/ 12 x 3

Now we get,
-23/18 = -46/36
-17/ 12 = -51/36
Since -46/36 > -51/ 36
Or -23/18 > -17/12

Home work

Compare the following Rational Numbers:
a. -7/8 _ -5/6
b. 5/7 _ 3/5
c. -7/6 _ -14/12
👉Hint: this can be done using the product or LCM of their denominators.

Answers : WORKSHEET-2

a-. >, b-. >, c-. >

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

4

Sub.- Science Class- VIII

LESSON -3 Atomic Structure

PLANT CELL

What is a Plant Cell?

Plant cells are eukaryotic cells that vary in several fundamental factors from other eukaryotic organisms. Both plant and animal cells contain nucleus along with similar organelles. One of the distinctive aspects of a plant cell is the presence of a cell wall outside the cell membrane.

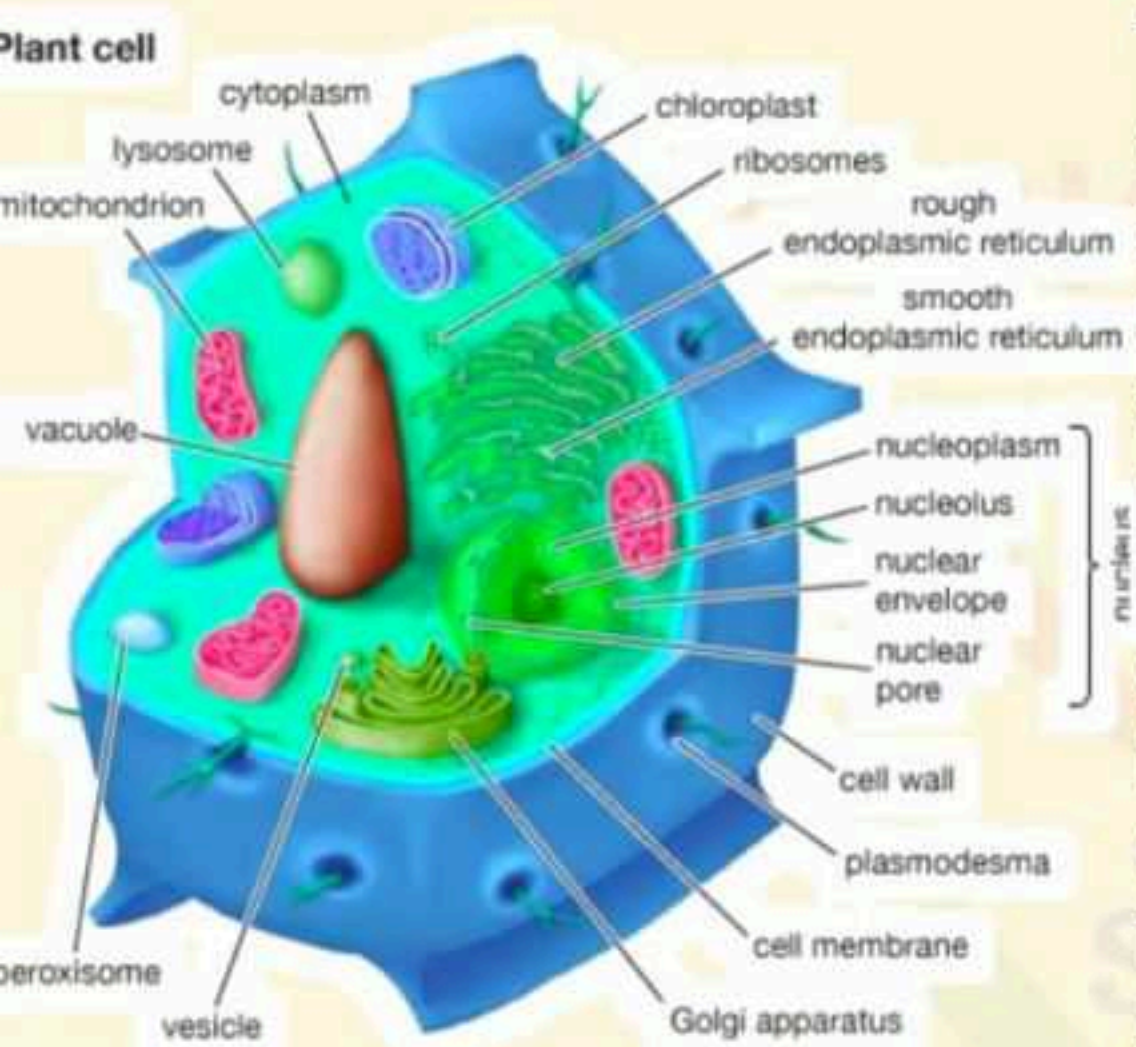

Plant Cell Diagram

The plant cell is rectangular and comparatively larger than the animal cell. Even though plant and animal cells are eukaryotic and share a few cell organelles, plant cells are quite distinct when compared to animal cells as they perform different functions. Some of these differences can be clearly understood when the cells are examined under an electron microscope.

© 2013 Encyclopaedia Britannica, Inc.

Activity : Label the given diagram

Cell wall,
cell membrane ,
Nucleus,
Plastids,
Chloroplast,
central vacuoles,
Golgi Apparatus,
Mitrochondria,
Lysosomes.

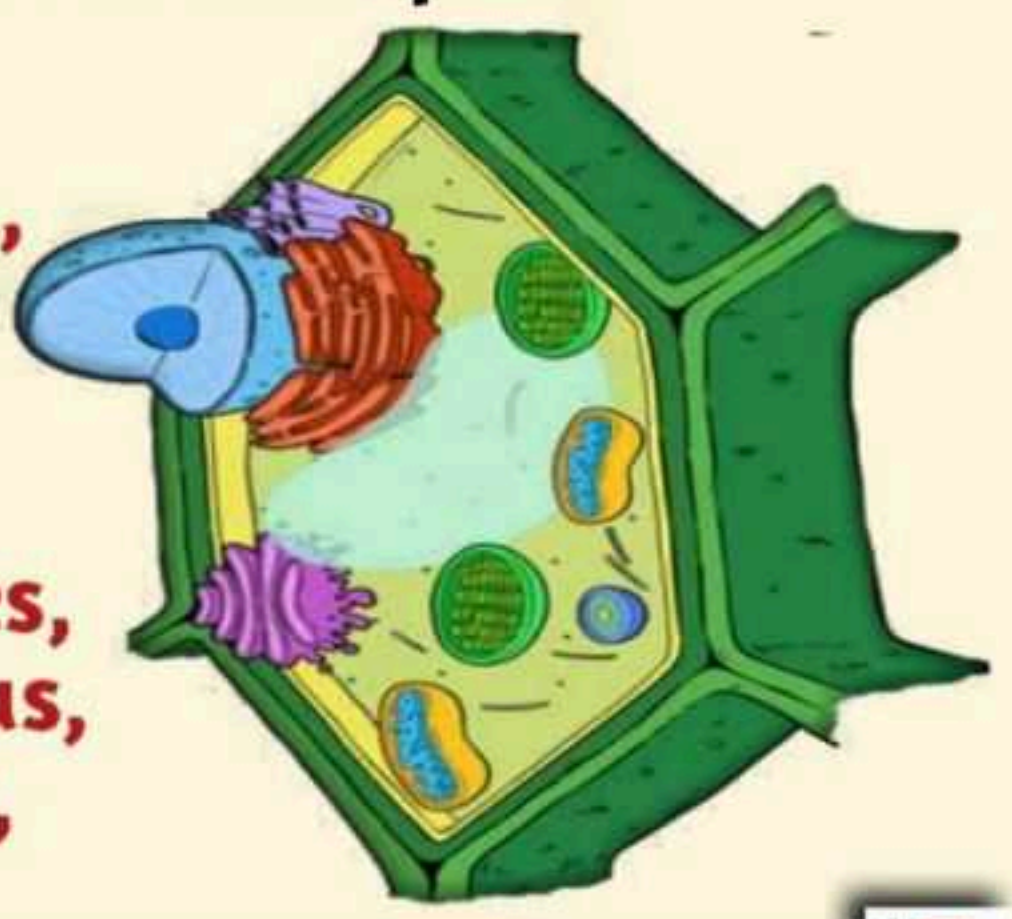

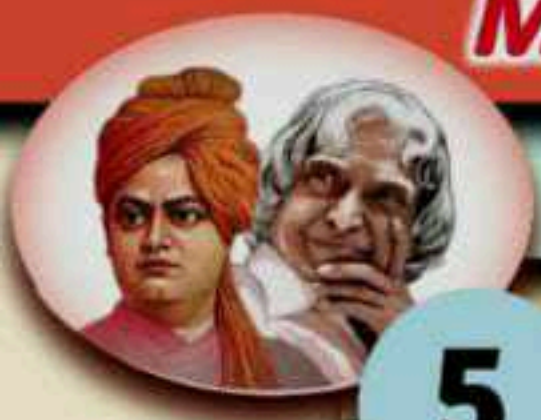

LESSON -3 cell structure

Animal cell

Prokaryotic Cell Structure

A prokaryotic cell does not have a nuclear membrane. However, the genetic material is present in a region in the cytoplasm known as the nucleoid. They may be spherical, rod-shaped, or spiral. A prokaryotic cell structure is as follows:

Capsule,cell wall, cytoplasm,
cell membrane ,Pilli, flagella, Ribosomes,
Plastids,Nucleoid Region

Activity

Label the given diagrams

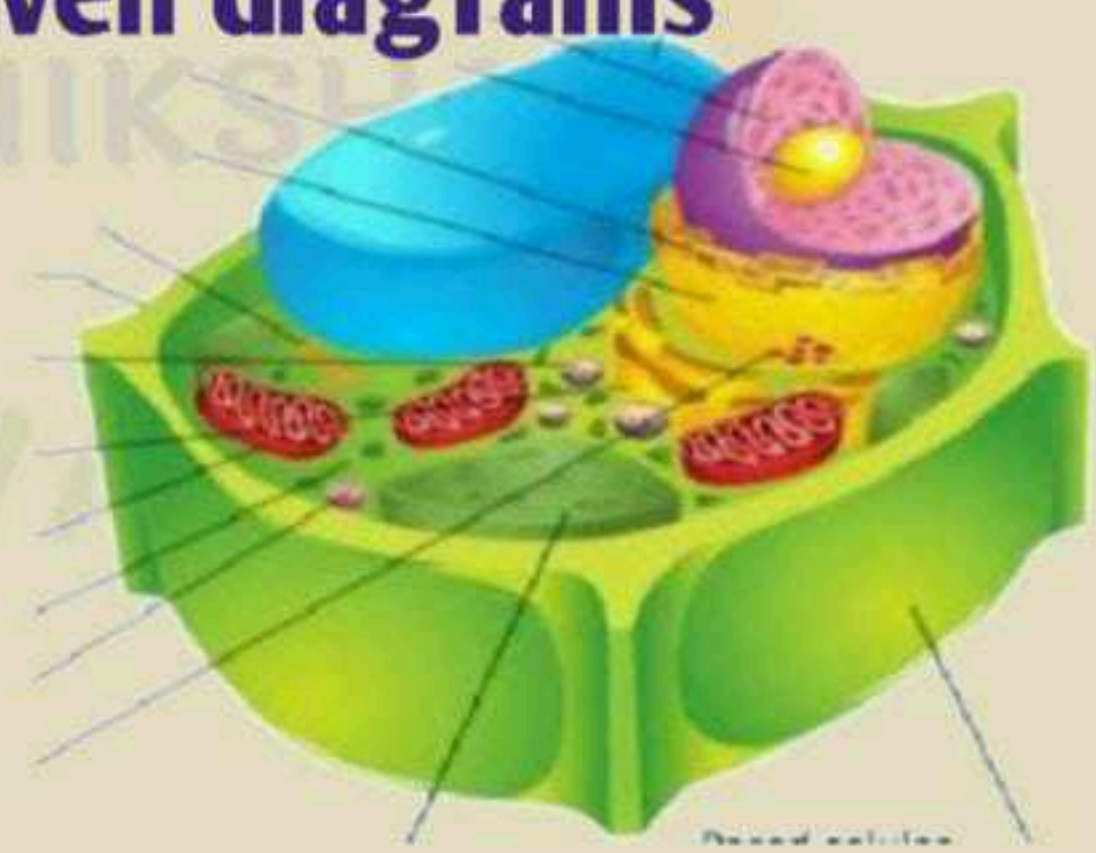

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

5

Sub.- Science Class- VIII

LESSON -3 cell structure

Animal cell

What is a Prokaryotic Cell?

Prokaryotic cells are single-celled microorganisms known to be the earliest on earth. Prokaryotes include Bacteria and Archaea. The photosynthetic prokaryotes include cyanobacteria that perform photosynthesis.
A prokaryotic cell consists of a single membrane and therefore, all the reactions occur within the cytoplasm. They can be free-living or parasite

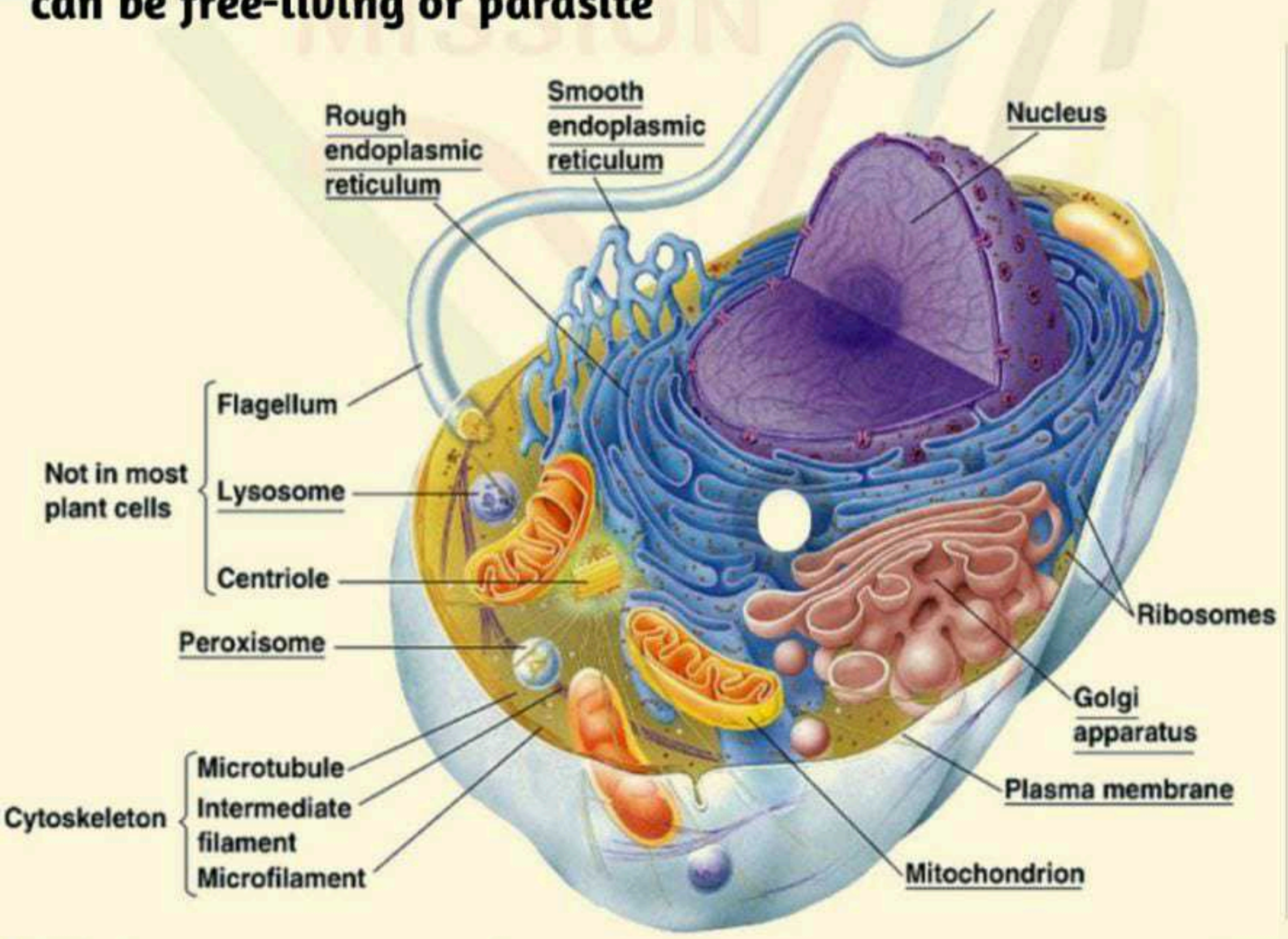

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

4

विषय- विज्ञान

कक्षा- 8

पाठ-1: विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति

लर्निंग आउटकम- छात्र परिवहन के क्षेत्र में तकनीकी के नवीनतम आविष्कारों के उपयोग के विषय में बता लेते हैं।

परिवहन के क्षेत्र में

बच्चों,परिवहन के क्षेत्र में व्यापक प्रगति से सुदूर क्षेत्रों में बसे ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने में सुविधा हुई है। परिवहन के प्रगति के कारण दिनों में पूरी होने वाली यात्रा आज चंद घंटों में पूरी हो जाती है। रेल, सड़क, जल और वायु परिवहन के क्षेत्र में विकास तेजी से हुआ है।

परिवहन के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक के अन्तर्गत मेट्रो रेल, बुलेट ट्रेन एवं मोनो रेल आदि चलने लगे। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए ई-रिक्शा, एवं सी. एन. जी. गाड़ियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। रेलों की स्पीड बढ़ाकर, , रेल यातायात को नवीन रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

अभ्यास कार्य

प्रश्न:1- पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए आजकल प्रयोग की जाती हैं-
(i) ई-रिक्शा (ii) मोटर कार

प्रश्न:2- बुलेट ट्रेन है-
(i) परिवहन का साधन (ii) संचार का साधन

प्रश्न: 3 निम्नलिखित में से कौन आधुनिकतम परिवहन का साधन है?
(i) तांगा (ii) मोनोरेल

वर्कशीट 3 के उत्तर

प्रश्न: 1 (A)

प्रश्न: 2 (B)

निर्माण- MSS वर्किंग टीम, विज्ञान टीम

1E

9458278429

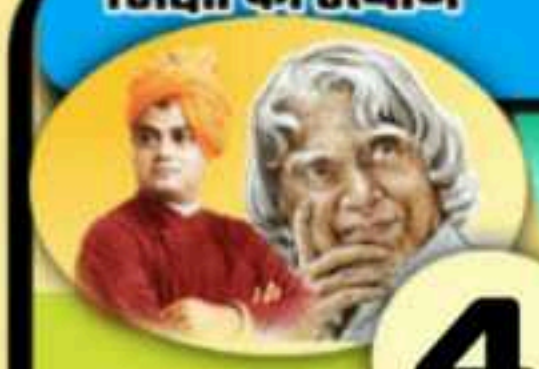

परिमेय संख्याओं के योग के प्रगुण

बच्चों! अभी तक हमने परिमेय संख्याओं का योग ज्ञात करना सीखा है। अब हम योग की संक्रिया में पालन होने वाले कुछ गणितीय नियमों को जानेंगे, जिन्हें 'परिमेय संख्याओं के योग के प्रगुण' भी कहते हैं।

संवरक प्रगुण- परिमेय संख्याओं का योगफल भी एक परिमेय संख्या होता है।

उदाहरण- 1/4+(-3/4)= {1+(-3)}/4= -2/4= -1/2 जो कि एक परिमेय संख्या है, क्योंकि इसके अंश और हर दोनों ही पूर्णांक हैं तथा हर का मान शून्य नहीं है।

क्रम विनिमय प्रगुण- परिमेय संख्याओं को किसी भी क्रम में जोड़ने पर योगफल सदैव समान होता है।

उदाहरण- हम जानते हैं कि 0 और 1 परिमेय संख्याएँ हैं तथा 0+1= 1
संख्याओं के क्रम बदलने पर-

1+0= 0

आप देख रहे हैं कि दोनों की दशाओं में हमें समान उत्तर प्राप्त होता है। इससे स्पष्ट है कि योग की संक्रिया, क्रम विनिमेय नियम का पालन करती है।

साहचर्य प्रगुण- तीन परिमेय संख्याओं के जोड़ने के लिए पहली दो परिमेय संख्याओं के योगफल में तीसरी संख्या जोड़ें अथवा पहली संख्या को अंतिम दो संख्याओं के योगफल में जोड़ें तो दोनों ही स्थितियों में योगफल समान होता है।

उदाहरण- माना तीन परिमेय संख्याएँ 0, 1 तथा -1/2 हैं। अब हम पहली दो परिमेय संख्याओं 0 तथा 1 के योगफल में तीसरी संख्या -1/2 को जोड़ते हैं-

[(0+1)]+(-1/2)= 1+(-1/2)= (2-1)/2= 1/2

अब हम अंतिम दो संख्याओं 1 तथा -1/2 के योगफल में पहली संख्या 0 को जोड़ते हैं-

[1+(-1/2)]+0= (2-1)/2+0= 1/2+0= 1/2

आपने देखा कि दोनों ही दशाओं में समान उत्तर प्राप्त होता है। स्पष्ट है कि परिमेय संख्याओं में योग की संक्रिया साहचर्य प्रगुण का पालन करती है।

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

4

Sub.- English Class- VIII

Lesson - 2 The Kabuliwallah

Little Mini was five years old and a great chatterbox. She simply could not live without chatting all the time. Her mother was often worried about this non stop talking of Mini, and tried to silence her. Her conversation with her father was always very lively.

One day, Mini burst into her father's study room. She put her arm around him and said, "What do you think, Father? Bhola says there is an elephant in the clouds who blows water out of its trunk and that is why it rains!". Before her father could reply she ran to the window, "Ae Kabuliwallah! Ae Kabuliwallah!"

Mini called out to the Kabuliwallah but when he looked at her, she was in terror and ran to her father. She had heard that Kabuliwallahs caught children, put them in their sacks and took them away. The Kabuliwallah came to Mini's house and her father made sure that Mini would come out and meet him.

Meaning (हिन्दी अनुवाद)

छोटी मिनी पांच साल की थी और बहुत बातूनी थी। वह हर समय बिना बात किए नही रह सकती थी। मिनी की इस बिना रुके लगातार बात करने को लेकर उसकी माँ अक्सर चिंतित रहती थी और उसे चुप कराने की कोशिश करती थी। उसके पिता के साथ उसकी बातचीत हमेशा जिंदादिल रहती थी। एक दिन, मिनी अपने पिता के अध्ययन कक्ष में घुस गई, उसने अपना हाथ उनके चारों ओर रखा और कहा, "पिताजी आपको क्या लगता है? भोला कहते हैं कि बादलों में एक हाथी है जो अपनी सूंड से पानी उड़ाता है और इसलिए बारिश हो रही है!"। इससे पहले कि उसके पिता जवाब दे पाते, वह खिड़की की ओर भागी, "ऐ काबुलीवाला! ऐ काबुलीवाला!" मिनी ने काबुलीवाला को पुकारा लेकिन जब उसने उसकी तरफ देखा तो वह घबरा गई और अपने पिता के पास दौड़ी। उसने सुना था कि काबुलीवाले बच्चों को पकड़कर अपने बोरे में डाल लेते है और ले जाते है। काबुलीवाला मिनी के घर आया और उसके पिता ने सुनिश्चित किया कि मिनी बाहर आकर उससे मिले।

Class Work

Word Meaning

Chatterbox-	बातूनी
Worried-	चिंतित
Conversation-	बातचीत
Lively-	जिंदादिल
Sacks-	बोरिया
Looked-	देखा
Terror-	डर
Heard-	सुना था
Caught-	पकड़ता था

Home Work

Answer the following questions

Q1. Who was a chatterbox?

Ans. _____was a chatterbox.

Q2. Why was Mini called a chatterbox?

Ans. Little Mini was called a chatterbox because_____

_____.

5

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

Sub.- English Class- VIII

Lesson - 2 The Kabuliwallah

soon Mini lost her fear of him and it was a joy to watch the big bearded Pathan talking tenderly to the little five-year-old. The Kabuliwallah was now a daily visitor to Mini's house. They would sit and chat for hours and crack jokes with each other. Once a year, Rehman, for that was the Kabuliwallah's name, would go back to his own country. He would first collect all the money that people owed him before he left. Although Rehman was busy, he always found time to visit little Mini. One day there was a lot of noise in the street. Rehman had stabbed a man who owed him money. For this crime he was sent to prison. Time passed and Mini soon forgot her old friend, the Kabuliwallah. She grew up into a very pretty woman. Her father made arrangements for Mini's wedding. Mini was getting married that night.

जल्दी ही मिनी का डर खत्म हो गया और बड़ी दाढ़ी वाले पठान से प्यार से बात करने लगी।काबुलीवाला अब रोज मिनी के घर आने लगा और वो दोनो घंटो एक दूसरे से बात करते थे। साल में एक बार काबुलीवाला अपने देश जाता था।जाने से पहले वह सभी से उधार दिए हुए पैसे वापस लेता था। रहमान कितना भी व्यस्त रहे पर मिनी के लिए समय निकाल ही लेता था। एक दिन गली में बहुत शोर था क्युकी रहमान ने एक आदमी को चाकू मार दिया था जिसके लिए उसे जेल भेज दिया गया। समय गुजरता रहा और मिनी जल्द ही अपने पुराने दोस्त काबुलीवाला को भूल गई।वह एक से सुंदर युवती के रूप में बड़ी हो गई। मिनी के पिता ने उसकी शादी की व्यवस्था की। उस रात मिनी की शादी हो रही थी।

Class Work

Word Meaning

visitor- मुलाकाती
owed- बकाया था
stabbed- छूरा घोंपा
prison- जेल
pretty- प्यारी
bearded- दाढ़ीवाला

One word substitution

a. A person who can read and write- literate
b. A person who talks too much- chatterbox
c. A person who loves his country- patriot
d. A government by the people- democracy
e. A disease which spreads by contact- contagious

Home Work

Activity Talk to your family members and write 5 lines about any one of them.

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

5 विषय- विज्ञान कक्षा- 8

पाठ-1: विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में नवीनतम प्रगति

लर्निंगआउटकम: छात्र विनिर्माण का अर्थ व उद्योग-धंधों के विषय में नवीनतम जानकारी रखते हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र में

कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण या वस्तु निर्माण कहते हैं। विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में काफी हद तक सफल रहा है। विनिर्माण क्षेत्र किसी भी अर्थव्यवस्था की संपन्नता का जनक होता है।

उद्योग के क्षेत्र में

उद्योगों के क्षेत्र में देश को अग्रणी बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया' योजना को शुरू किया गया है। इसके तहत विदेशों के कई निवेशकों को भारत में विभिन्न व्यवसायों में पैसा लगाने के लिए एक अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में बने हुए उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घरेलू कंपनी के साथ ही बहुउद्देशीय कंपनियों को अवसर देने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

वर्तमान समय के प्रमुख उद्योग हैं- खनन उद्योग लोहा एवं इस्पात उद्योग सीमेंट उद्योग कोयला उद्योग पेट्रोलियम उद्योग कपड़ा उद्योग चीनी उद्योग आदि। BALCO, HINDALCO और NALKO आदि एल्युमिनियम उद्योग के कारखाने हैं। ONGC और OIL पेट्रोलियम उद्योग के कारखाने हैं।

अभ्यास कार्य

प्रश्न:1 'मेक इन इंडिया' संबंधित है-
(i) उद्योगों से (ii) परिवहन से
(iii) मनोरंजन से

प्रश्न:2 ONGC किससे संबंधित है-
(i)पेट्रोलियम से
(ii)एलुमिनियम से (iii)खनन से

वर्कशीट 4 के उत्तर

प्रश्न:1(i) प्रश्न:2(i)
प्रश्न:3(ii)

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

4 विषय- सामाजिक विषय (इतिहास) कक्षा- 8

यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन और व्यापार

वास्कोडिगामा के भारत पहुँचने के बाद एक-एक करके इंग्लैण्ड और फ्रांस के व्यापारी जल के रास्ते भारत आने लगे। इस समय तक हिंदुस्तान के किसी भी शासक ने नौसेना तैयार करने की बात सोची तक नहीं थी।

हॉलैण्ड निवासी डचों ने कालीकट , कोचीन, नाग*ापट्टनम तथा चिनसूरा में व्याप*ारिक केन्द्र खोले। फ्रांसीसियों ने मछलीपट्टम, पाण्डिचेरी, चन्दनगर माही स्थानों में अपने मुख्य केंद्र बनाए। अंग्रेजों ने अपने को केवल समुद्र तट तक ही सीमित नहीं रखा बल्कि सूरत कैम्बे, अहमदाबाद, आगरा, भड़ौच, पटना, कासिम बाजार स्थानों पर व्यापारिक केंद्र बनाए।

भारत में यूरोप के सभी देशों के व्यापारी, पुर्तग*ालियों के हाथ से व्यापार छीनने की होड़ में लगे रहते थे।* उनकी कोशिश रहती थी कि वे भारत में कम से कम कीमत देकर सामान खरीद सकें, फिर वे इस सामान को यूरोप में अधिक से अधिक दाम पर बेच कर खूब मुनाफा कमा सकें। उन्होंने पाया कि सूरत, मसूलीपटनम (मछलीपट्टम) जैसे बड़े बंदरगाहों पर जो सामान व्यापारियों द्वारा बिकने लाया जाता है, वह महँगा मिलता है। इसलिए यूरोप के व्यापारी गाँव-गाँव में अपना आदमी या एजेंट भेज कर सीधे कारीगरों से माल खरीदने की कोशिश में रहते ताकि सस्ता माल मिले।

समय के साथ पुर्तगाली नौसेना और किलों की ताकत, अंग्रेज, डच और फ्रांसीसियों से कई मुकाबलों के कारण कमजोर पड़ गई। कुछ समय तक किसी एक का भारत के व्यापार पर अधिकार नहीं जम सका।

विदेशी कंपनियों ने व्यापार में लाभ के लिए साम, दाम, दण्ड व के तरीके अपनाए।

अभ्यास प्रश्न:-

1. हॉलैण्ड निवासी क्या कहलाते थे?

2.मछलीपट्टनम को क्या कहा जाता था?

3. सूरत किस प्रदेश में है?

वर्क शीट 3 के उत्तर:-

1.1600 ई०2.कोठी(फैक्ट्री)

3.पुर्तगाली 4.एजेंट(व्यापारी)

5.ईस्ट इण्डिया कंपनी

3

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

Sub.- English Class- 6-8

GRAMMAR

Topic : Number of Noun

The number of noun is the state of a noun being one or more than one.

Kinds of Number of Noun

Apple

Singular (One)

Plural (More than one)

Apples

Rules of changing the number of noun

1. By adding -s to the singular:
   pen - pens.....

2. By adding -es to nouns ending in 'o' :
   hero - heroes

3. By changing -y into -ies :
   army - armies.....

4. By changing -f/-fe into -ves :
   calf - calves, knife - knives

5. By adding -es to the nouns ending in x, s, sh or ch :
   boxes, classes, brushes, branches...

6. By adding -s to the main word of compound-words :
   passers-by,sons-in-law..

7. By changing the inside vowels :
   man - men, mouse - mice.....

8. By putting -en or -ren at the end :
   brother - brethren.....

9. Some nouns have singular plural alike:
   deer, fish ....

10. By adding apostrophe to letter and figures :
    M.L.A - M.L.A's, 2020's.....

Practice - Exercise

Q1. Identify and Change the number of these nouns:

1. day	2. matches	3. wife	4. teeth	5. friends	6. VIP's
7. men	8. Physics	9. ox	10. news	11. life	12. fishermen

Answers

1. days	2. match	3. wives	4. tooth	5. friend	6.VIP
7. man	8. Physics	9. oxen	10. news	11. lives	12. fisherman

WEEKLY WORKSHEET U.P.S.

4

Sub.- English Class- 6-8

GRAMMAR

Topic : PRONOUN

A word used in place of noun is called Pronoun.

Kinds of Pronoun

1. **Personal Pronoun**
   e.g : I, he, we, she, it .....

2. **Reflexive OR Emphatic Pronoun**
   e.g myself, himself, themselves.....

3. **Demonstrative Pronoun**
   e.g : this, these, that, those.....

4. **Indefinite Pronoun**
   e.g : one, none, all, some.....

5. **Distributive Pronoun**
   e.g : each, either, neither, every.....

6. **Reciprocal Pronoun**
   e.g : each-other, one-another.....

7. **Relative Pronoun**
   e.g : who, whom, which, where.....

8. **Interrogative Pronoun**
   e.g : Who, What, Whose, Whom.....

Practice - Exercise

Q1) Fill in the blanks with suitable Pronouns and tell its type:

she, this, who, you, one-another, himself, what, I, it, none, my, one, ourselves, which

1. ..... obeys her teachers.
2. ..... are writing.
3. ..... am playing.
4. ..... father is a farmer.
5. ..... is raining today.
6. He hurt .....due to carelessness.
7. We ..... must realise our duties.
8. Don't shout like .....
9. ..... should love one's country.
10. ..... was found honest.
11. We should care for .....
12. This is the book ..... I like most.
13. ..... is your name?
14. ..... wants to participate?

ANSWERS

1. she-Per 2. you-Per 3. I-Per 4. my-Per 5. it-Per
6. himself-Ref 7. ourselves-Emp 8. this-Dem 9. one-Ind 10. none-Ind
11. one-another-Rec 12. which-Rel 13. what-Int 14. who-Int

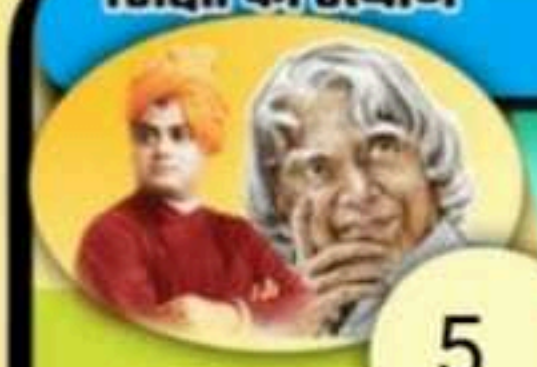

साप्ताहिक वर्कशीट (जूनियर)

5

विषय- चित्रकला **कक्षा-** 6,7,8

जल बचाओ का पोस्टर बनाए।

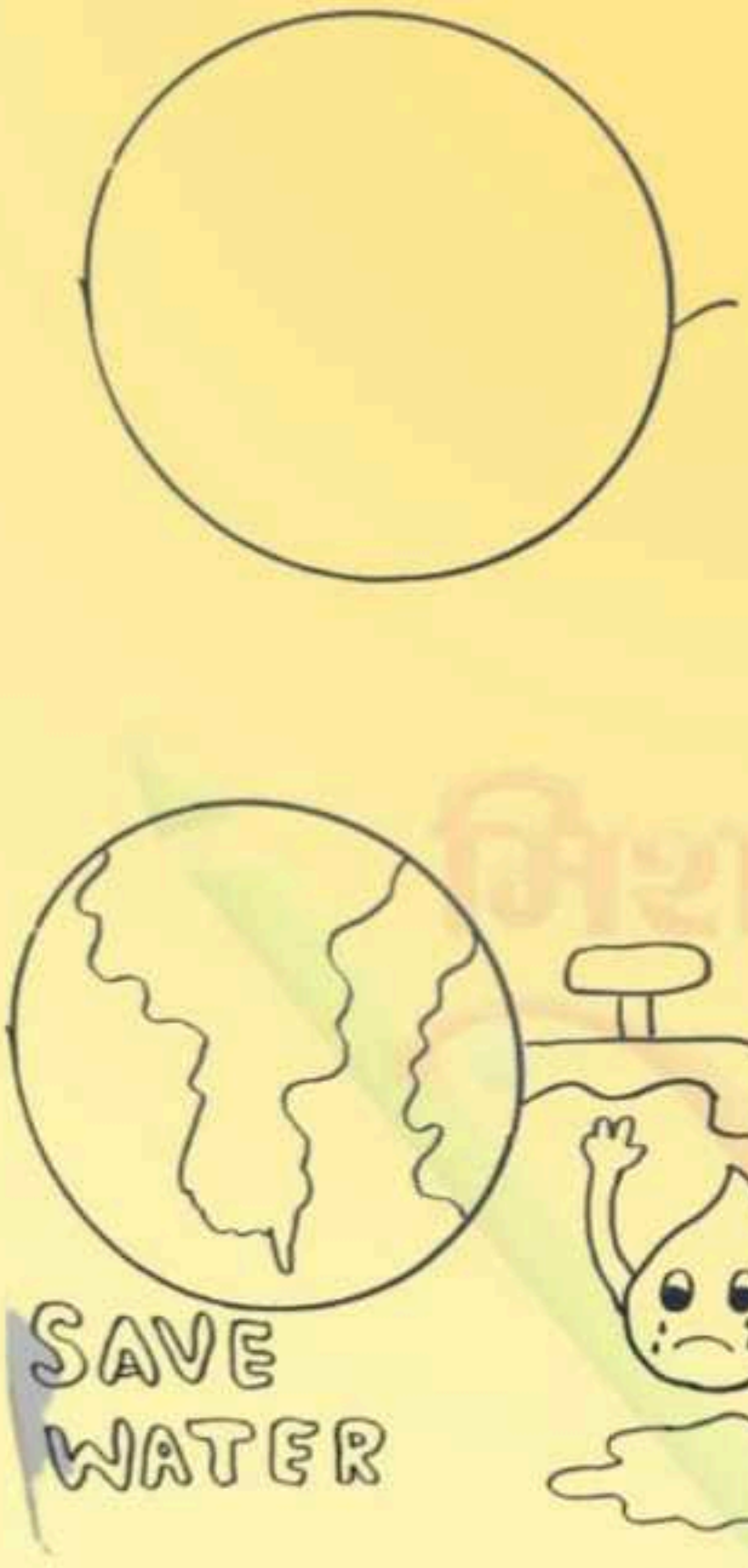

अंतिम चित्र कांपी में रंगीन बनाए।